मेरा हमदम वो बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है,
अंधेरो में भी अब मुझको,
पता मंजिल का मिलता है,
मेरा हमदम वों बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है।।

तर्ज मुझे तेरी मोहब्बत का।

मैं था मजबूर दुनिया में,
मुझे ठुकराया अपनो ने,
फरिस्ता बनके बाबोसा,
मेरे सपनों में आये थे,
ना तू घबरा की मैं हूँ ना,
फिकर क्यो अब तू करता है,
अंधेरो में भी अब मुझको,
पता मंजिल का मिलता है,
मेरा हमदम वों बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है।।

खुशी से भर गया दामन,
नजर जब मुझपे है डाली,
सितारा है बुलन्दी पर,
मेरी हर रोज दीवाली,
बिना मांगे ही बाबा सब,

मुरादे पूरी करता है,
अंधेरो में भी अब मुझको,
पता मंजिल का मिलता है,
मेरा हमदम वों बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है।।

तुम्हे पाकर के अब बाबा,
जरूरत धन न दौलत की,
तेरे होते मुझे दिलबर,
तमन्ना है ना शोहरत की,
गुजारा देव का बाबा,
तेरी रहमत से चलता है,
अंधेरो में भी अब मुझको,
पता मंजिल का मिलता है,
मेरा हमदम वों बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है।।

मेरा हमदम वो बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है,
अंधेरो में भी अब मुझको,
पता मंजिल का मिलता है,
मेरा हमदम वों बनके बाबोसा,
मेरे साथ चलता है।।

गायक देव बाम्बीवाल।
लेखक दिलीपसिंह सिसोदिया-दिलबर।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365

Source:
https://www.bharattemples.com/mera-humdum-vo-banke-babosa-mere-sath-chalta-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw